समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

PoK मे बंढ़ते विरोध प्रदर्शन पर रिपोर्ट: पाकिस्तान के सामने गहराता संकट, भारत पर भी पड़ सकता है असर

Sanket Morankar Published on 08 Jul 2026

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में जारी विरोध प्रदर्शनों और बढ़ते असंतोष ने क्षेत्र की राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। हाल के दिनों में हजारों लोग सड़कों पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और स्थानीय लोगों की मांगों को लेकर आंदोलन तेज हो गया है।

रिपोर्टों के अनुसार, आंदोलन का नेतृत्व **जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC)** कर रही है, जिसमें स्थानीय व्यापारी, परिवहन व्यवसायी, शिक्षक और अन्य नागरिक शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में महंगाई पर नियंत्रण, बिजली और बुनियादी सुविधाओं में सुधार, विस्थापित परिवारों को मुआवजा तथा प्रशासनिक सुधार शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि आंदोलन के दौरान कई नेताओं की गिरफ्तारी हुई है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। कुछ स्थानों पर खाद्य सामग्री और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता को लेकर भी चिंता जताई गई है।

विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की प्रशासनिक व्यवस्था लंबे समय से स्थानीय लोगों के अधिकारों और प्रतिनिधित्व को लेकर विवादों में रही है। आंदोलन के दौरान क्षेत्र की विधानसभा में आरक्षित सीटों, प्रशासनिक नियंत्रण तथा विकास संबंधी मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए जा रहे हैं।

रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि हाल के विरोध प्रदर्शनों को पाकिस्तान के अन्य क्षेत्रों, जैसे बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के कुछ समूहों का भी समर्थन मिला है, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई है।

भारत के संदर्भ में विशेषज्ञों का मानना है कि PoK की स्थिति पर नई दिल्ली की हर प्रतिक्रिया का कूटनीतिक और सुरक्षा दृष्टि से व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। चूंकि भारत पूरे जम्मू-कश्मीर, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भी शामिल है, पर अपना दावा करता है, इसलिए क्षेत्र में होने वाले घटनाक्रम पर उसकी नजर बनी हुई है।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि भारत की ओर से इस मुद्दे पर कोई नई नीति या आधिकारिक कदम उठाया जाएगा या नहीं। फिलहाल सरकार की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

विश्लेषकों का मानना है कि PoK में जारी घटनाक्रम केवल स्थानीय राजनीतिक असंतोष तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत-पाकिस्तान संबंधों, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में आने वाले दिनों में इस स्थिति पर दोनों देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी रहने की संभावना है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.